आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार एकांश
देहरादून (उत्तराखण्ड)
मंगलवार 21.10.2025
समय 07.20

मुख्य समाचार

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा– पिछले एक दशक में रक्षा उत्पादन तीन गुना बढ़कर डेढ़ लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आम जनता से अपील की कि वे स्थानीय उत्पादों की खरीदारी करें, ताकि छोटे व्यवसायियों, कारीगरों और स्वावलंबी भारत के संकल्प को मजबूती मिले।
- देशभर में दीपावली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रदेश के पर्वतीय अंचल में कुछ स्थानों पर आज भी दीपावली का त्यौहार मनाया जा रहा।
- विश्व प्रसिद्ध गंगोत्री धाम के कपाट 22 अक्टूबर और यमुनोत्री धाम के कपाट 23 अक्टूबर को शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे।

प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत अब अपने अधिकांश रक्षा उपकरणों का उत्पादन घरेलू स्तर पर करता है। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में रक्षा उत्पादन तीन गुना बढ़कर डेढ़ लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। प्रधानमंत्री ने आईएनएस विक्रांत पर दिवाली समारोह के दौरान सशस्त्र बलों के जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि तीनों सेनाओं के बीच असाधारण समन्वय ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को समर्पण करने पर मजबूर कर दिया।

खरीदारी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दीपावली की खरीदारी के दौरान डिजिटल भुगतान के माध्यम से सामान खरीदा और आम जनता से भी अपील की कि वे अधिक से अधिक स्थानीय उत्पादों तथा स्वदेशी वस्तुओं की खरीदारी करें, ताकि छोटे व्यवसायियों, कारीगरों और स्वावलंबी भारत के संकल्प को मजबूती मिले।

दीपावली के अवसर पर मुख्यमंत्री ने देहरादून स्थित चकराता रोड की स्थानीय दुकानों से मिट्टी के दीये, बर्तन और अन्य पारंपरिक स्वदेशी सामानों की खरीदारी की। इस अवसर पर श्री धामी ने कहा कि "स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहित करना ही सच्ची दीपावली है।" उन्होंने लोगों से स्वदेशी वस्तुओं को अपनाकर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने की अपील की।

दुकानदारों ने मुख्यमंत्री को बताया कि इस वर्ष जीएसटी की कम दरों के कारण सामान सस्ता हुआ है, जिससे बिक्री पिछले वर्षों की तुलना में अधिक रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्वों और त्योहारों पर कारीगरों तथा स्थानीय उद्यमियों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। स्वदेशी उत्पादों की खरीद न केवल हमारी परंपरा को जीवित रखती है, बल्कि 'वोकल फॉर लोकल' के संकल्प को भी सशक्त बनाती है।

दीपावली की रौनक

भारत के साथ ही दुनिया भर में कल दीपावली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, जबकि प्रदेश के पर्वतीय अंचल के कुछ स्थानों पर आज भी दीपावली का पर्व मनाया जा रहा है। दीपावली पर शहरों से लेकर गांवों तक लोगों ने जमकर आतिशबाजी की और देर रात तक उत्सव का आनंद लिया। इस दौरान लोगों ने एक–दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

इस वर्ष दीपावली पर बाजारों में विशेष रौनक देखने को मिली। लोगों ने पटाखों, बर्तनों, सोने–चांदी के आभूषणों, वाहनों, विद्युत उपकरणों और घर की आवश्यक सामग्रियों की जमकर खरीदारी की, जिससे व्यापारी उत्साहित हैं।

चारधाम में दीपावली

उत्तराखंड के विश्व प्रसिद्ध चार धामों में दीपोत्सव धार्मिक परंपराओं के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विशेष पूजा–अर्चना की गई और मंदिरों को फूलों से सजाया गया। बदरीनाथ धाम में पहली बार 12 हजार दीप जलाए गए तथा माता लक्ष्मी को 56 भोग का प्रसाद अर्पित किया गया।

श्री बदरी–केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने बताया कि तीर्थ पुरोहितों और हक–हकूकधारियों के सहयोग से दीपोत्सव का आयोजन किया गया। केदारनाथ में यह उत्सव 23 अक्टूबर तक मनाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 23 अक्टूबर को श्री केदारनाथ मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद किए जाएंगे। इस विशेष अवसर पर मंदिर को 12 क्विंटल फूलों से सजाया जाएगा। कपाट बंद होने के बाद श्री केदारनाथ के दर्शन ऊखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मंदिर में किए जा सकेंगे।

गंगोत्री–यमुनोत्री कपाट

विश्व प्रसिद्ध चारधाम में से गंगोत्री धाम के कपाट अन्नकूट पर्व पर 22 अक्टूबर और यमुनोत्री धाम के कपाट भैयादूज के पावन पर्व पर 23 अक्टूबर को शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। दोनों धामों को फूलों से सजाया गया है और कपाट बंद करने की तैयारियाँ शुरू कर दी गई हैं।

कपाट बंद होने के बाद गंगोत्री के दर्शन उनके शीतकालीन वास स्थल मुखवा गाँव और यमुनोत्री के दर्शन खरसाली गाँव में किए जा सकेंगे। श्री पंच गंगोत्री मंदिर समिति के सचिव सुरेश सेमवाल ने बताया कि गंगोत्री धाम के कपाट 22 अक्टूबर को सुबह 11 बजकर 36 मिनट पर बंद किए जाएंगे, जिसके बाद गंगा की डोली मुखवा गाँव के लिए प्रस्थान करेगी। वहीं, यमुनोत्री धाम के कपाट 23 अक्टूबर को भैयादूज के दिन दोपहर 12 बजकर 30 मिनट पर शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे।

महिला स्वरोजगार

चम्पावत जिले के टनकपुर में ग्रामोत्थान परियोजना के तहत महिला समूहों ने ई–रिक्शा संचालन की शुरुआत की है। जिले के बोरागोठ स्थित प्रेरणा महिला समूह की आठ महिलाओं को हाल ही में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ई–रिक्शा की चाबियां सौंपी थीं।

परियोजना के अंतर्गत महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से समूह को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। इस अनूठी पहल से जहां महिलाएं स्वरोजगार से जुड़कर अपनी आजीविका में सुधार कर रही हैं, वहीं उन्हें व्यावसायिक गतिविधियों में सहभागिता का अवसर भी मिल रहा है।

प्रेरणा समूह की सदस्य कंचन ने बताया कि योजना से जुड़ने के बाद उन्हें रोजगार का साधन मिला है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है।

विकास

हल्द्वानी शहर एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) समर्थित परियोजना के अंतर्गत सड़क सुधारीकरण और ड्रेनेज कार्यों की शुरुआत दीपावली के बाद होने जा रही है। प्रोजेक्ट मैनेजर कुलदीप सिंह ने बताया कि परियोजना की टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और संबंधित फर्म के साथ अनुबंध गठन की कार्यवाही अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्था ने साइट पर मोबिलाइजेशन शुरू कर दिया है और सर्वेक्षण कार्य भी चल रहा है। दीपावली के बाद प्राथमिकता के आधार पर तीन पानी से नवीन मंडी बरेली रोड तक की सड़क और ब्लॉक कार्यालय से कटघरिया के बीच का हिस्सा पहले चरण में कार्य शुरू किया जाएगा। इसके साथ ही ड्रेनेज व्यवस्था के लिए आउटफॉल स्थानों की पहचान कर ली गई है और रेलवे सहित अन्य विभागों से आवश्यक एनओसी के लिए आवेदन किया गया है।

जीएसटी बचत उत्सव

जीएसटी बचत उत्सव का लाभ समाज के सभी वर्गों को पहुंच रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस उत्सव की घोषणा की थी और यह 22 सितंबर को लागू हुआ था। आज इस श्रृंखला में पेश है देश के इलेक्ट्रोनिक्स क्षेत्र को मज़बूत बनाने में जीएसटी सुधारों के प्रभावों पर हमारे संवाददाता की रिपोर्ट–

नई पीढ़ी के जीएसटी सुधार देश के इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र को मजबूती प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं। नए कर ढांचे में इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं आम लोगों के लिए और अधिक किफायती हो गई हैं वहीं, घरेलू बाजार को भी बड़ा लाभ मिल रहा है। नए कर सुधारो के तहत मॉनिटर और प्रोजेक्टर पर जीएसटी दर 28 प्रतिश से घटाकर 18 प्रतिशत कर दी गई है। इसी तरह सरकार ने एयर कंडीशनर, डिशवॉशर और टेलीविजन पर भी कर को घटकर 28 प्रतिशत की बजाय 18 प्रतिशत कर दिया है। करो में हुई इस कटौती से घरेलू मांग बढ़ रही है और परिवारों के लिए इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद सस्ते और अधिक सुलभ हो गए हैं।

चमोली

चमोली के जिलाधिकारी गौरव कुमार ने दीपावली के मौके पर नंदानगर विकास खंड के आपदा प्रभावित फाली, कुंतरी, भैसवाड़ा और धुर्मा का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आपदा प्रभावितों से मिलकर उनका हालचाल पूछा और सरकार और प्रशासन की ओर से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

जिलाधिकारी ने आपदा प्रभावितों से संवाद के दौरान कहा कि सरकार की ओर से आपदा क्षेत्रों में जन जीवन सामान्य करने के लिए पैदल व सड़क मार्गों का सुधारीकरण, पेयजल व विद्युत लाइनों की मरम्मत के कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने ग्रामीणों को शीघ्र आपदा से क्षतिग्रस्त रास्तों के सुधारीकरण का भी आश्वासन दिया।